अनुमोदित

2018-19

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)

स्नातकोत्तर

एम.ए. (जर्नलिज्म एण्ड मास कम्युनिकेशन)

संकाय – पत्रकारिता एवं जनसंचार

(नियम, परीक्षा योजना, अंक योजना एवं पाठ्यक्रम)

डॉ. संजीव गुप्ता
समन्वयक
जनसंचार विभाग
माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता
एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय,भोपाल

एम.ए. (जर्नलिज्म एण्ड मास कम्युनिकेशन)

प्रथम सेमेस्टर

अकादमिक सत्र 2018 से 2019

प्रथम प्रश्नपत्र – संचार सिद्धांत एवं अवधारणा

अधिकतम अंक – 100 | 5 क्रेडिट | उत्तीर्णांक – 40
(सैद्धांतिक परीक्षा–70)
(आंतरिक मूल्यांकन–30)

आवश्यकता :–

1. संचारप्रक्रिया के मूलभूत तत्वों की समझ विकसित करना।
2. संचार दृष्टि से व्यक्ति और समाज के अंतरसंबंधों का अध्ययन करना।
3. माध्यमों के प्रभाव, प्रकिया का अध्ययन एवं विश्लेषण करने के लिए।

उद्देश्य :–

1. विद्यार्थियों में संचार और उसके प्रभाव की समझ विकसित करना।
2. समाज और संवाद सिद्धांतों के स्वरूपों का अध्ययन करना।
3. संचार के विभिन्न आयामों को समझाने के लिए विद्यार्थियों में रुचि विकसित करना।

पाठ्यक्रम

इकाई–1 संचार : अर्थ, परिभाषा, महत्व, कार्य, क्षेत्र, संचार प्रकिया : संचार के तत्व, प्रकार : अंतःवैयक्तिक, अंतरवैक्तिक संचार, समूह संचार, लोकसंचार, शाब्दिक संचार : मौखिक एवं लिखित, गैर शाब्दिक संचार : शारीरिक अभिव्यक्ति, प्रतीक चिन्ह, संचार और सूचना, संचार एवं भाषाएं, संचार के अवरोध : भौतिक अवरोध, मनोवैज्ञानिक अवरोध, सांस्कृतिक एवं भाषायी अवरोध, यांत्रिक अवरोध, संचार अवरोधों का निदान।

इकाई–2 संचार सिद्धांत : एजेन्डा सेटिंग सिद्धांत, यूजेज एंड ग्रैटीफीकेशन सिद्धांत, बुलेट सिद्धांत, मार्शल मैक्लुहन एप्रौच : माध्यम ही संदेश है, प्रेस के नियामक सिद्धांत : प्रभुत्ववादी सिद्धांत, उदारवादी सिद्धांत, सामाजिक उत्तरदायित्व का सिद्धांत, साम्यवादी सिद्धांत।

इकाई–3 संचार प्रतिरूप : संचार की भारतीय अवधारणा, साधारणीकरण प्रतिरूप, लोकसंचारक नारद, संचार के पाश्चात्य प्रतिरूप : हेरॉल्ड डी लॉसवेल, विलबर श्राम, जॉर्ज गर्बनर, अरस्तु, क्लॉड शैनन एवं वॉरेन वीवर, जॉन थीवट, ई ऑसगुड।

इकाई–4 जनमाध्यम : अर्थ, परिभाषा, प्रकार, और सामाजिक भूमिका, जनमाध्यमो का उद्भव एवं विकास, परंपरागत संचार माध्यम : लोक कलाएं, लोक नृत्य, लोकगीत कठपुतली आदि, मुद्रित माध्यम : समाचार पत्र, पत्रिकाएं, पुस्तकें, इलेक्टॉनिक माध्यम : रेडियो एवं टेलीविजन, नवीन माध्यम : इंटरनेट, मल्टीमीडिया आदि, संचार माध्यम एवं लोकजीवन।

इकाई–5 अंतरसांस्कृतिक संचार, अंतरसांस्कृतिक संचार की समस्याएं, संचार का अंरराष्ट्रीय प्रवाह, नई अंतरराष्ट्रीय सूचना व्यवस्था, यूनेस्को मास मीडिया डिक्लेरेशन, आईटीयू, न्यू मीडिया संचार प्रवाह।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. संप्रेषण प्रतिरूप तथा सिद्धांत : डॉ. श्रीकांत सिंह, मानव संचार शास्त्र : डॉ. श्रीकांत सिंह।
2. संचार सिद्धांत एवं रूपरेखा : प्रो. प्रेमचंद पातांजलि।
3. मास कम्यूनिकेशन इन इंडिया : केवल जे कुमार।
4. संचार के मूल सिंद्वांत : ओम प्रकाश सिंह।
5. मॉस कम्युनिकेशन, डॉ. संजीव गुप्ता, श्रुति कुमार, गाजियाबाद

डॉ. संजीव गुप्ता
समन्वयक
जनसंचार विभाग
माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय,भोपाल

एम.ए. (जर्नलिज्म एण्ड मास कम्युनिकेशन)

प्रथम सेमेस्टर

अकादमिक सत्र 2018 से 2019

द्वितीय प्रश्नपत्र – भारतीय पत्रकारिता का इतिहास

अधिकतम अंक – 100 5 क्रेडिट उत्तीर्णांक – 40
(सैद्धांतिक परीक्षा–70)
(आंतरिक मूल्यांकन–30)

आवश्यकता :–

1. पत्रकारिता के उद्भव और विकास को भारतीय दृष्टि से अवलोकन करना।
2. इतिहास बोध के माध्यम से नई पीढ़ी को पत्रकारिता के मूल्यों से परिचित कराना।
3. पत्रकारिता के इतिहास और वर्तमान स्वरूप का तुलनात्मक ज्ञान प्राप्त करना।

उद्देश्य :–

1. भारतीय पत्रकारिता के स्वर्णिम काल से विद्यार्थियों को परिचित करना।
2. भारतीय पत्रकारिता के इतिहास में मील का पत्थर बने व्यक्तियों और संस्थाओं से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
3. भारतीय जनसंवाद माध्यमों के सतत विकास से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

पाठ्यक्रम

इकाई–1 भारतीय हिंदी पत्रकारिता का उद्भव एवं विकास : स्वतंत्रतापूर्व की पत्रकारिता, स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात की पत्रकरिता, आधुनिक पत्रकारिता, भारतीय भाषाई प्रेस और अंग्रेजी प्रेस।

इकाई–2 भारतीय पत्रकारिता के नींव के पत्थर : पं. युगल किशोर शुक्ल, भारतेन्दु हरिशचंद्र, पं. माखनलाल चतुर्वेदी, बाबूराव विष्णुराव पराडकर, गणेश शंकर विद्यार्थी, पं. माधवराव सप्रे, अंबिका प्रसाद वाजपेयी, राजा राममोहन राय, बालगंगाधर तिलक, महात्मा गांधी, प्रभाष जोशी।

इकाई–3 प्रमुख हिंदी समाचार पत्र : कर्मवीर, हिंदुस्तान, दैनिक जागरण, दैनिक भास्कर, स्वदेश, राजस्थान पत्रिका, अमर उजाला, प्रभात खबर, लोकमत समाचार, नवभारत टाइम्स, जनसत्ता, पंजाब केशरी आदि, प्रमुख पत्रिकाएं : राष्ट्रधर्म, जाह्नवी, इंडिया टुडे, द संडे इंडियन, आउटलुक, तहलका, पांच्यजन्य, अहा जिंदगी, कादम्बनी, सरिता, गृहशोभा, सरस सलिल, क्रिकेट सम्राट आदि।

इकाई–4 भारत में संवाद समितियां : उद्भव एवं विकास एवं उनकी कार्य प्रणाली : पीटीआई, यूएनआई, यूनीवार्ता, भाषा, हिंदुस्थान समाचार, संवाद समितियों की समस्याएं।
सरकारी संचार संगठन : पीआईबी, फोटो प्रभाग, डीएवीपी, आरएनआई।

इकाई–5 भारतीय प्रेस समसामयिक चुनौतियां : प्रेस की भूमिका में परिवर्तन : मिशन, प्रोफेशन और उद्योग, प्रत्यक्ष विदेशी पूंजी निवेश (एफडीआई), प्रेस प्रबंधन एवं आधुनिकीकरण।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. भारत की समाचार पत्र कांति, रॉबिन जेफ्री।
2. समाचार –पत्र : मुद्रण और साज–सज्जा, श्याम सुंदर शर्मा।
3. मीडियाः मिशन से बाजारीकरण तक : रामशरण जोशी।
4. जनसंचार माध्यमों का वैचारिक परिप्रेक्ष्य : जवरीमल्ल पारख।
5. समाचार समिति, पत्रकारिता : रामशरण जोशी।
6. समाचार व्यवस्थापन : अनंत गोपाल शेवडे।
7. भारतीय सामाचार पत्रों का संगठन और प्रबंध : सुकमल जैन।
8. समाचार संकलन और लेखन : नंदकिशोर त्रिखा।
9. जनमाध्यम प्रौद्योगिकी और विचारधारा : जगदीश्वर चतुर्वेदी।
10. जनमाध्यम सैद्धांतिकी : सुधा सिंह।

डॉ. संजीव गुप्ता
समन्वयक
जनसंचार विभाग
माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता
एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय,भोपाल

एम.ए. (जर्नलिज्म एण्ड मास कम्युनिकेशन)

प्रथम सेमेस्टर

अकादमिक सत्र 2018 से 2019

तृतीय प्रश्नपत्र – प्रसारण पत्रकारिता

अधिकतम अंक – 100 (सैद्धांतिक परीक्षा–70) (आंतरिक मूल्यांकन–30) | 5 क्रेडिट | उत्तीर्णांक – 40

आवश्यकता :–

1. रेडियों, टेलीविजन, सिनेमा आदि प्रसारण माध्यमों के महत्व को समझना।
2. प्रसारण माध्यमों के उद्भव एवं विकास को समझना।
3. जनमाध्यम के रूप में प्रसारण माध्यम की उपयोगिता, महत्व एवं प्रभाव को समझना।

उद्देश्य :–

1. प्रसारण पत्रकारिता के विकासक्रम से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
2. प्रसारण पत्रकारिता की विधा में विद्यार्थियों को दक्ष बनाना।
3. तकनीकी एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण देकर प्रसारण माध्यमों में रोजगार के अवसर के अनुकूल विद्यार्थियों को तैयार करना।

पाठ्यक्रम

इकाई–1 विश्व में प्रसारण पत्रकारिता का उद्भव एवं विकास, भारत में प्रसारण पत्रकारिता :दूरदर्शन एवं आकाशवाणी, निजी प्रसारण माध्यम : आजतक, एनडीटीवी, एबीपी न्यूज, आईबीएन–7, टाइम्स नाउ, हेडलाइंन्स टुडे, जी न्यूज, ई टीवी, सहारा, न्यूज 24, निजी एफएम रेडियो : रेडियो मिर्ची, माय एफएम, रेडियो सिटी, रेडियो मंत्रा, फीवर एफएम, बिग एफएम, रेडियो पॉपकार्न, रेडियो वन, रेड एफएम, मिड डे एफएम।

इकाई–2 आकाशवाणी केन्द्र की संरचना, रेडियो समाचार स्टूडियो, रेडियो न्यूज रूम, रेडियो समाचार वाचन, घटना स्थल पर रिपोर्टिंग, कमेन्ट्री, साक्षात्कार, न्यूजरील, परिचर्चा, फोन इन कार्यक्रम, दूरदर्शन केन्द्र की संरचना, दूरदर्शन समाचार स्टूडियो, दूरदर्शन न्यूज रूम,दूरदर्शन समाचार वाचन, घटना स्थल पर रिपोर्टिंग, फोन इन कार्यक्रम, कमेन्ट्री, साक्षात्कार, न्यूजरील, परिचर्चा, फोन इन कार्यक्रम।

इकाई–3 टेलीविजन कार्यक्रम निर्माण : कार्यक्रम निर्माण की अवस्थाएं, निर्माण पूर्व की तैयारियां, निर्माण के पश्चात् की प्रकिया, वीडियो कैमरे के भाग, वीडियो कैमरा कार्य का सिद्धांत, मूल शॉट्स एवं उनका कंपोजीशन, कैमरे की गति चाल एवं कोण, विभिन्न लैंसों का प्रयोग, निर्माण तकनीकी पक्ष, प्रसारण की तकनीक, ईएनजी, ईएफपी एवं बहुकैमरा स्टूडियो निर्माण, टेलीविजन स्टूडियो का संक्षिप्त विवरण, रेडियो कार्यक्रम निर्माण : कार्यक्रम निर्माण की अवस्थाएं, निर्माण पूर्व की तैयारियां, निर्माण के पश्चात् की प्रकिया, तकनीकी पक्ष, प्रसारण की तकनीक, माइकोफोन एवं रिकर्डिंग ।

इकाई–4 रेडियो एवं टेलीविजन के समसामयिक मुद्दों पर कार्यक्रम : पर्यावरण, राजनीति, खेल, अपराध, आर्थिक, संस्कृतिक, शिक्षा, कृषि, दुर्घटना एवं प्राकृतिक आपदा।

इकाई–5 भारत में सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास, जनमाध्यम के रूप में सिनेमा, समानान्तर सिनेमा, क्षेत्रीय सिनेमा, व्यावसायिक सिनेमा, सिनेमा क्षेत्र की संस्थाएं : सेंसर बोर्ड, फिल्म समारोह निदेशालय, चलचित्र विकास निगम, बाल चित्र सोसायटी, एफटीआइआइ।

डॉ. संजीव गुप्ता
समन्वयक
जनसंचार विभाग
माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता
एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल

संदर्भ ग्रंथ :–

1. रेडियो एवं दूरदर्शन पत्रकारिता : डॉ हरिमोहन।
2. भारतीय इलेक्ट्रानिक मीडिया : डॉ. देवब्रत सिंह।
3. इलेक्ट्रानिक माध्यम : रेडियो एवं दूरदर्शन : प्रो. राममोहन पाठक।
4. रेडियो लेखन :मधुकर गंगाधर।
5. भूमंडलीय जनमाध्यम : एडवर्ड एस. हरमन, राबर्ट डब्लू मैकचेस्नी।
6. ब्राडकास्टिंग एंड दि पीपुल : मेहरा मसानी।
7. रेडियो–वार्ता शिल्प : डॉ. सिद्धनाथ कुमार।
8. मेनी वायसेज वन वर्ल्ड : सीन मैकब्राइड।
9. मीडिया और साइबर स्पेस : सुधीश पचौरी।
10. ऑन लाइन जर्नलिज्म : ओम गुप्ता।
11. भारतीय नया सिनेमा : प्रो. सुरेन्द्र तिवारी।
12. इलेक्ट्रानिक मीडिया : टी.वी.एस. आलोक।
13. मॉस कम्युनिकेशन, डॉ. संजीव गुप्ता
    श्रुति बुक्स, गाजियाबाद

डॉ. संजीव गुप्ता
समन्वयक
जनसंचार विभाग
माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता
एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय,भोपाल

एम.ए. (जर्नलिज्म एण्ड मास कम्युनिकेशन)

प्रथम सेमेस्टर

अकादमिक सत्र 2018 से 2019

चतुर्थ प्रश्नपत्र –जनमाध्यम भाषा

अधिकतम अंक – 100 5 क्रेडिट उत्तीर्णांक – 40

(सैद्धांतिक परीक्षा–70)

(आंतरिक मूल्यांकन–30)

आवश्यकता :–

1. जनसंचार माध्यमों के लेखन के लिए विशिष्ठ शैली की समझ बनाना।
2. भाषा के महत्व एवं प्रभाव की बुनियादी समझ विकसित करना।
3. हिंदी भाषा के व्यवहारिक प्रयोग के लिए संप्रेषण योग्य शैली का विस्तार करना।

उद्देश्य :–

1. विभिन्न जनमाध्यमों के अनुकूल भाषा शैली के उपयोग से विद्यार्थी को परिचित कराना।
2. संप्रषेण भाषा के रूप में हिंदी के प्रयोग के लिए विद्यार्थियों को दक्ष बनाना।
3. परंपरागत माध्यमों और आधुनिक माध्यमों की संवाद एवं पटकथा लेखन की विधा में विद्यार्थियों को दक्ष बनाना।

पाठ्यक्रम

इकाई–1 हिंदी भाषा का संक्षिप्त परिचय, हिंदी साहित्य का संक्षिप्त परिचय, हिंदी व्याकरण : बोली, भाषा, उद्भव, विकास, हिंदी भाषा का समुदाय, वर्ण, शब्द, वाक्य, कहावतें, मुहावरे, विराम चिन्ह, शुद्धियां–अशुद्धियां, देशज–विदेशज भाषा, हिन्दुस्तानी का अनुप्रयोग, लेखन के सिद्धांत।

इकाई–2 मुद्रित माध्यमों के लिए लेखन : समाचार पत्रों तथा पत्रिकाओं की भाषा, समाचार लेखन, शीर्षक, उपशीर्षक, मुख्य बिंदु लेखन, आलेख, संपादकीय लेख, संपादक के नाम पत्र, फीचर लेखन, रिपोर्ताज, डायरी लेखन।

इकाई–3 रेडियो लेखन की अवधारणा, उद्देश्य एवं सीमाएं, रेडियो लेखन के तत्व, रेडियो कार्यकमों की पटकथा एवं लेखन प्रकिया, साक्षत्कार के प्रश्नों का चयन, पूर्व तैयारियां, उद्घोषणा के लिए लेखन, टॉक शो, पत्रोत्तर लेखन, फोनइन, रिपोर्ट, कमेंट्री लेखन।

इकाई–4 टेलीविजन समाचार लेखन : अर्थ, उद्देश्य एवं सीमाएं, समाचार लेखन एवं प्रारूप, वृत्तचित्र, सोप ऑपेरा, पटकथा लेखन, मनोरंजक कार्यक्रमों के लिए पटकथा लेखन, साक्षात्कार के लिए लेखन, परिचर्चा के लिए लेखन एवं पूर्व तैयारी।

इकाई–5 विज्ञापन एवं इंटरनेट के लिए लेखन : सिद्धांत, अर्थ एवं अवधारणा, ऑनलाइन लेखन के गुण एवं कठिनाईयां, ऑनलाइन संपादन, विज्ञापन स्क्रिप्ट एवं भाषा, ई पंपर।

डॉ. संजीव गुप्ता
समन्वयक
जनसंचार विभाग
माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता
एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल

संदर्भ ग्रंथ :–

1. हिंदी भाषा का इतिहास : धीरेन्द्र वर्मा।
2. हिंदी व्याकरण : कामता प्रसाद गुरू ।
3. हिंदी शब्दानुशासन : आचार्य किशोरी दास वाजपेयी।
4. संपादन के सिद्वांत : डॉ. रामचंद्र तिवारी।
5. संपादन कला : एन.सी. पंत।
6. लेखन संपादन एवं मुद्रण : ओम गुप्ता।
7. संपादन कला एवं प्रुफ पाठन : डॉ. हरिमोहन।
8. नई पत्रकारिता और समाचार : सविता चढ्ढा।
9. समाचार, फीचर लेखन एवं संपादन कला : डॉ. हरिमोहन।
10. समाचार फीचर लेखन एवं संपादन कला : डॉ. हरिमोहन।
11. जनमाध्यम और पत्रकारिता : प्रवीण दीक्षित।
12. संसदीय रिपोर्टिंग : लज्जाशंकर हरदेनिया।
13. पत्रकारिता के सिद्धांत : डॉ रामनरेश त्रिपाठी।

डॉ. संजीव गुप्ता
समन्वयक
जनसंचार विभाग
माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता
एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल